International Indexed & Referred Research Journal, March, 2012. ISSN- 0974-2832, RNI-RAJBIL 2009/29954;VoL.IV *ISSUE-38

शोध पत्र–वाणिज्य

मध्यप्रदेश में साक्षरता दशकीय वृद्धि व प्रगति –एक विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन

March, 2012

* डॉ. प्रवीण शर्मा ** श्रीमती शिखा राजपुरोहि

* प्राध्यापक, वाणिज्य, अटल बिहारी बाजपेयी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर
** शा. म. ल. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किला मैदान, इंदौर

iLrqr 'kks/k i=e e/; in'k e lk{kjrk n'kdh; of) o ixfr dk fo'y"k.kkRed ,oa rqyukRed v/; ;u fd;k x;k gS AmDr 'kks/k dk lq{e v/; ;u **Hkkjr dh tux.kuk 2001 ,oa 2011** **e/; in'k ekuo fodkl fjikVZ 2011** **e-iz- lk{kjrk fe'ku** ls tux.kuk 2011 o tux.kuk 2011 es lk{kjrk dk rqyukRed v/; ;u djuk] e/; in'k 'kklu dh lk{kjrk vfHk;ku dk jk"Vh; ifjis{; e fo'y"k.k djuk rFkk fo'k"kdj 2001 ds n'kd e efgykvks ,oa iq:"kks dh lk{kjrk ds vrj ls lacaf/kr rF;ks dk irk yxkuk jgk gS A

iLrkouk %–

भारत को आजादी मिले 60 साल हो गए, लेकिन अभी तक भारत शिक्षित और साक्षर नहीं हो पाया हैं, इसकी असफलता के पीछे देश का नेतृत्व जिम्मेदार है । दृढ़ राजनीतिक संकल्प के अभाव में आज तक आबादी के एक बड़े भाग को साक्षर नहीं बना पाये । भारत के शासक वर्ग ने शिक्षा, साक्षरता, स्वास्थ्य जैसे बुनियादी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तत्परता कभी नहीं दिखाई न आज दिखा रहा है । शासक वर्ग ने देश की जनता के निरक्षर होने पर गर्व किया है, जिससे उनकी राजनीतिक रोटी सिकती रहे खासकर चुनावों के समय । निश्चय ही देश की जनता के अधिकांश के निरक्षर होने के बावजूद उसने समय समय पर परिपक्व राजनीतिक फैसले दिये है मगर इसका यह मतलब नहीं कि उसे अपनी परिपक्वता का पुरस्कार निरक्षर रखकर दिया है । देश का शासक वर्ग यह समझता है कि अगर देश में शिक्षा और साक्षरता का व्यापक प्रचार प्रसार हुआ तो सामान्य लोगों की मांगे और उम्मीदें बढ़ेगी इसीलिए साक्षरता के लक्ष्य को लगातार आगे बढाते गए। प्रायः सभी शिक्षा शास्त्रियों और अर्थशास्त्रीयों ने शिक्षा पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद का कम से कम 6 प्रतिशत खर्च करने पर जोर दिया परन्तु आज तक यह नहीं हो पाया है इसीलिए शिक्षा और साक्षरता के लक्ष्यों को अभी तक प्राप्त नहीं किया जा सका ।

'kks/k dk mn~ns'; %&

प्रस्तुत शोध पत्र के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं :–

1. जनगणना 2001 व जनगणना 2011 में साक्षरता का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करना। 2. मध्यप्रदेश शासन के साक्षरता अभियान का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण 3. विशेषकर 2001 एवं 2011 के दशक में महिलाओं एवं पुरूषों की साक्षरता के अंतर से संबंधित तथ्यों का पता लगाना ।

ifjdYiuk,¡ %&

उक्त शोधपत्र हेतु निम्न परिकल्पनाएँ निर्धारित की गई हैं

(1) मध्यप्रदेश ने साक्षरता (सन् 2011 की जनगणना) में अभूतपूर्व बढत हासिल की गई हैं ।

(2) म.प्र. में महिला एवं पुरूषों की साक्षरता दर का अंतर कम हुआ हैं ।

'kks/k i)fr %&

प्रस्तुत शोध द्वितीय समंकों पर आधारित है । ''म.प्र. में साक्षरता दशकीय वृद्धि व प्रगति'' एक विश्लेषणात्मक अध्ययन का सुक्ष्म अध्ययन भारत की जनगणना 2001 व 2011, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन 2011 से प्राप्त समंको के आधार पर किया गया हैं ।

e-iz- esa lk{kjrk %&

जो व्यक्ति समझ के साथ किसी भी भाषा में लिख और पढ़ सकता है, उसे साक्षर माना जाता है । जो व्यक्ति सिर्फ पढ़ सकता है, पर लिख नहीं सकता है, वह साक्षर नहीं है । यह जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति साक्षर हो उसके औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं की हो या न्यूनतम शैक्षणिक स्तर उत्तीर्ण किया हो। 6 या उससे कम वर्ष के स्कूल जा रहे बच्चे भी अशिक्षित माने जाते हैं, हालांकि यह मुमकिन हैं, उन्होंने पढना या कुछ शब्द लिखना सीख लिया हो । साक्षरता दर निकालने का सूत्र हैं

$$\text{साक्षरता दर} = \frac{\text{7 वर्ष या उससे ऊपर की जनसंख्या} \times 100}{\text{साक्षर जनसंख्या}}$$

निम्न तालिका में भारत की साक्षर जनसंख्या से म.प्र. की साक्षर जनसंख्या का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत हैं :–

तालिका क्रं. 1 भारत व मध्यप्रदेश की साक्षरता दर की तुलना

कुल साक्षरता दर	2001		2011	
	म.प्र.	भारत	म.प्र.	भारत
व्यक्ति	64.11	65.38	70.6	74.04
पुरूष	76.80	75.85	80.5	82.14
स्त्री	50.28	54.16	60.0	65.46

(स्त्रोत : 2001 व 2011 की जनगणना)

तालिका 1 से स्पष्ट है कि 2001 में राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तियों की साक्षरता दर 65.38 थी और 2011 में यह 74.04 प्रतिशत

रही अर्थात राष्ट्रीय स्तर की तुना में म.प्र. में 2001 की व्यक्ति साक्षरता का प्रतिशत 64.11 से बढकर 2011 में 70.6 प्रतिशत हो गया जो की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता हैं ।

तालिका–1 से स्पष्ट है कि 2011 के अंतराल में मध्यप्रदेश में पुरूष साक्षरता 76.80 से बढकर 80.5 प्रतिशत हुई है जो की 4.30 की बढ़त दर्शाती है । उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि म.प्र. राष्ट्रीय औसत से ज्यादा पिछे नहीं हैं । उपरोक्त पुरूष साक्षरता वृद्धि दर को लेखाचित्र से दर्शाया गया हैं ।

e-i- d: i:"kk dh lk{kjrk e: n'kdh; of)

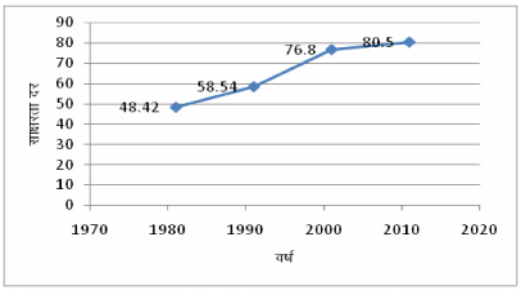

महिला साक्षरता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने तीन दशकों का विकास एक दशक में ही हासिल किया है। अविभाजित राज्य के रूप में 90 के दशक में जहाँ महिला साक्षरता में 22.49 प्रतिशत की वृद्धि र्जि की गई वहीं 2011 से 10.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 1961 की प्रथम जनगणना मध्यप्रदेश राज्य के निर्माण के पश्चात हुई, जिसमें महिला साक्षरता 8.88 प्रतिशत थी। यह स्तर 1971 में 13. 93 प्रतिशत, 1981 में 19.00 प्रतिशत हुआ और 1991 में 29. 35 प्रतिशत, 2001 में 50.28 प्रतिशत हुई, 2011 में 60 प्रतिशत हुई। तालिकानुसार (1) महिला साक्षरता में वृद्धि की दर पुरूष साक्षरता में हुई वृद्धि की तुलना में कहीं अधिक है । यह 1991 के 29.35 प्रतिशत की तुलना में 2001 में 50.28 और 2011 में 60.0 प्रतिश्ता हो गई ।

उपरोक्त महिला साक्षरता वृद्धि दर को लेखा चित्र में दर्शाया गया है ।

e-i- e: efgyk lk{kjrk e: n'kdh; of)

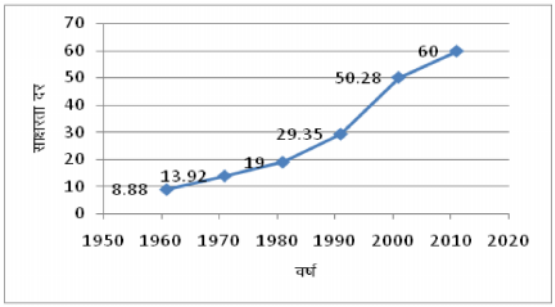

तालिका 1 से स्पष्ट है कि 2001 में महिला साक्षरता व पुरूष साक्षरता के बीच का अंतर कम होना जारी है ।

e-i- dh lk{kjrk nj e: vrj %&

निम्न तालिका 2 में 2001 की एवं 2011 की महिला एवं पुरूषें की साक्षरता दर के कम होते अंतर को दर्शाया गया हैं । देखे तालिका क्र 1

उपर्युक्त तालिका में स्पष्ट है की 2001 की साक्षरता दर की तुलना में 2011 की साक्षरता दर में महिला एवं पुरूषों की साक्षरता का अंतर कम हुआ है एवं महिला की साक्षरता दर पुरूषों की साक्षरता दर से अधिक रही हैं । जिसे नीचे दर्शाये लेखा चित्र में दर्शाया गया हैं ।

महिला साक्षरता व पुरूष साक्षरता दर के बीच अंतर

निष्कर्ष :–

उपरोक्त अध्ययन से जो निष्कर्ष सामने आये हैं वह निम्नलिखित हैं :– 1.यह दूसरी बार है कि म.प्र. में महिला साक्षरता में वृद्धि की दर पुरूष साक्षरता में हुई वृद्धि और राष्ट्रीय महिला साक्षरता बढ़ोत्तरी दर से आगे रही ।

2.म.प्र. के 50 जिलों में से 39 जिलों की महिला साक्षरता बढ़ोतरी दर, राष्ट्रीय महिला साक्षरता बढ़ोतरी दर से जयादा हैं ।

3.पूरे देश में, निरक्षर से साक्षर वर्ग में लाये गये हर 6 में से 1 व्यक्ति मध्यप्रदेश से है । म.प्र. में कुल मिलाकर निरक्षरता के स्तर में 17.94 प्रतिशत की दशकीय कमी आई हैं ।

4.1961–1991, वर्षो में महिला साक्षरता 20.47 प्रतिशत बढ़ी जबकि 1991–2001 के मात्र एक दशक में यह 20.93 प्रतिशत तथा 2001–2011 में 10.1 प्रतिशत बढ़ी ।

5.सम्पूर्ण साक्षरता अभियान में राजीव गांधी साक्षरता मिशन की मुख्य भूमिका के कारण हमें उपरोक्त उपलब्धियों हासिल हुई ।

l>ko %&

म.प्र. में महिला साक्षरता दर में वृद्धि करने के लिए निम्न कार्यक्रमों पर जोर देना होगा ।

1.राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

2.समाज में शिक्षा के प्रति एवं महिलाओं की शिक्षा कें प्रति जागरूकता लानी होगी।

3.कक्षाओं में लड़कीयों की उपस्थिति बढ़ानी होगी ।

4.महिलाओं का आत्मविश्वास बढाने के लिए कदम उठाने होंगे।

5.महिला सशक्तिकरण एवं अमानता पर बल देना होगा ।

6.परिवार में सम्मानजनक स्थान माहिलाओं को भी दिलाना होगा।

7.शिक्षा को रोजगारोंन्मुख बनाना होगा ।

8.ऐसे कार्यक्रम चलाने होंगे जिनमें स्वास्थ्य और साफ सफाई के बारे में ज्ञान दिया जाए ।

अंत में कहा जा सकता है कि म.प्र. में साक्षरता अभियान को काफी सफलता मिली है । योजनाओं के क्रियान्वयन के फलस्वरूप ही हमने साक्षरता दर 70.6 प्रतिशत की प्राप्त किया है । आवश्यकता इसको बढाकर अन्य विकसित राज्य के बराबर लाना है । इसके लिए समाज को, शासन को अपनी जिम्मेदारी से इस राष्ट्रहित के काम के साथ देना होगा, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय शिक्षा मिशन आदि को प्रभावशाली बनाकर साक्षरता की दर के उच्चतम सीमा को छूना है । जिससे प्रदेश देश के साथ मिलकर चहुमुखी विकास के रास्ते पर प्रशस्त हो सकें ।

rkfydk & 2 e/;izns'k dh lk{kjrk nj dh rqyuk ¼o"kZ 2001&2011½

क्रं.	प्रदेश / जिला	2001			2011			2001 – 2011 में साक्षरता में आए अंतर	
		महिला	पुरूष	साक्षरता दर में अंतर	महिला	पुरूष	साक्षरता दर में अंतर	महिला	पुरूष
1	श्योपुर	29.1	61.8	32.7	44.5	70.3	25.8	15.4	8.5
2	मुरैना	46.2	79.9	33.7	57.6	84.2	26.6	11.4	4.3
3	भिण्ड	55.2	83.2	28.0	64.0	87.2	23.2	8.7	4.0
4	ग्वालियर	56.4	80.4	24.0	68.3	86.3	18.0	11.9	5.9
5	दतिया	56.6	83.9	27.3	60.2	85.2	25.0	3.6	1.3
6	शिवपुरी	40.7	74.0	33.3	49.5	76.2	26.7	8.7	2.2
7	टिकमगढ़	41.0	68.7	27.7	50.7	73.3	22.6	9.7	4.6
8	छतरपुर	39.3	65.3	26.0	54.3	74.2	19.9	15.1	8.9
9	पन्ना	48.0	73.3	25.3	55.6	75.6	20.0	7.6	2.3
10	सागर	54.4	79.4	25.0	67.7	86.3	18.6	13.4	6.9
11	दमोह	47.3	74.7	27.4	59.9	81.0	21.1	12.6	6.3
12	सतना	51.1	77.1	26.1	63.4	83.4	20.0	12.4	6.3
13	रीवा	47.6	75.6	28.0	62.5	83.7	21.2	14.9	8.0
14	उमरिया	44.5	72.9	28.4	56.1	78.1	22.0	11.5	5.2
15	नीमच	49.0	82.5	33.5	57.3	85.9	28.6	8.3	3.3
16	मंदसौर	54.7	85.2	30.5	58.3	86.8	28.5	3.6	1.6
17	रतलाम	54.3	79.5	25.2	56.5	79.4	22.9	2.2	0.1
18	उज्जैन	57.9	83.0	25.1	61.4	85.2	23.8	3.5	2.2
19	शाजापुर	57.4	83.3	25.9	56.4	83.2	26.8	1.1	0.1
20	देवास	45.0	75.7	30.7	58.3	82.1	23.8	13.2	6.4
21	धार	38.6	65.7	27.1	49.7	71.1	21.4	11.1	5.4
22	इंदौर	64.8	84.6	19.8	74.9	89.2	14.3	10.1	4.6
23	खरगोन	50.6	74.7	24.1	53.7	74.0	20.3	3.1	0.8
24	बरवानी	32.0	51.1	19.1	43.1	57.3	14.2	11.1	6.2
25	राजगढ	37.1	69.1	32.0	49.8	75.1	25.3	12.7	5.9
26	विदिशा	47.4	74.2	26.8	61.7	81.4	19.8	14.3	7.1
27	भोपाल	66.4	81.9	15.5	76.6	87.4	10.9	10.2	5.5
28	सिहोर	47.4	77.3	29.9	58.9	82.4	23.5	11.5	5.1
29	रायसेन	61.3	81.6	20.3	65.1	82.5	17.4	3.8	0.9
30	बेतुल	55.6	76.8	21.2	61.6	78.4	16.8	6.1	1.6
31	हरदा	54.1	77.9	23.8	64.3	83.1	18.8	10.2	5.2
32	होशंगाबाद	57.8	80.8	23.0	67.0	85.2	18.2	9.2	4.3
33	कटनी	48.2	77.9	29.7	62.5	84.2	21.7	14.2	6.3
34	जबलपुर	65.9	84.6	18.7	75.3	89.1	13.8	9.4	4.6
35	नरसिम्हापुर	68.5	86.1	17.6	67.6	85.2	17.6	0.8	0.9
36	डिन्डोरी	38.2	70.0	31.8	53.5	77.6	24.1	15.3	7.6
37	मंडला	45.5	73.7	28.2	57.2	79.5	22.3	11.7	5.8
38	छिंदवाड़ा	54.6	76.4	21.8	63.4	70.8	17.4	8.8	4.3
39	शिवनी	53.8	77.2	23.4	64.1	81.8	17.7	10.3	4.6
40	बालाघाट	57.2	80.6	23.4	69.7	87.1	17.4	12.5	6.5
41	गुना	41.2	72.1	30.9	52.5	76.6	24.1	11.3	4.5
42	अशोकनगर	45.2	77.0	31.8	54.2	80.2	26.0	8.9	3.2
43	शहडोल	44.2	70.3	26.1	58.2	78.3	20.1	14.0	7.9
44	अनूपपुर	46.1	73.8	27.7	57.9	80.1	22.2	11.8	6.3
45	सिधी	40.3	69.3	29.0	55.2	76.5	21.3	14.9	7.2
46	सिंगरोली	31.5	65.4	33.9	49.9	73.8	23.9	18.3	8.3
47	झाबुआ	28.6	53.9	25.3	34.3	54.7	20.4	5.7	0.7
48	अलीराजपुर	22.0	40.2	18.2	31.0	43.6	12.6	9.0	3.4
49	खण्डवा (पू.नि.)	48.6	76.0	27.4	56.5	77.9	21.4	7.9	1.9
50	बुरहानपुर	49.5	69.9	20.4	57.1	73.1	16.0	7.7	3.2

(स्त्रोत : 2001 व 2011 की जनगणना)

संदर्भ ग्रंथ

1.राजीव गांधी साक्षरता मिशन, म.प्र. शासन भोपाल 2.भारत की जनगणना 2001, 2011 3.भारत 2008, सूचना एवं प्रसारा मंत्रालय, नई दिल्ली 4.म.प्र. आर्थिक सर्वेक्षण 2001–2002, 2010–2011 डायरेक्ट्रेट ऑफ इकॉनोमिक्स एण्ड स्टेटिसटिक्स, गवर्मेन्ट ऑफ मध्यप्रेश, भोपाल मध्यप्रदेश । 5.मध्यप्रदेश संदर्भ 2003, 2010, नई दुनिया । 6.शासकीय प्रकाशनः मध यप्रदेश पंचायिका, मध्यप्रदेश संदेश ।7.मनोरमा इयर बुक 2008, 2011